सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 287 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 25 नवम्बर, 2025

मूल्य ₹ 3/-

अपने मन के दु:ख को मन के भीतर छिपा कर ही रखना चाहिए। दूसरे का दु:ख सुनकर लोग इठला भले ही लें, उसे बाँट कर कम करने वाला कोई नहीं होता।

-रहीम दास

टेस्ट में भारत अब घर में नहीं... 7 | कर्नाटक में कांग्रेस की कलह... 3 | आस्था जीवन को सकारात्मकता और... 2

ध्वाजारोहण या फिर ध्रुवीकरण!

राम मंदिर पर ध्वजारोहण संत या धर्मगुरु को करना चाहिए

» राम मंदिर का ध्वज त्याग और समर्पण का प्रतीक है : चंपत राय

» राहुल-अखिलेश पर जगत गुरू का तंज

» पर्वू सांसद वेदांती का बयान में दिखी अलग गर्जना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। अयोध्या को आज दुल्हन की तरह सजाया गया। राम मंदिर के शिखर पर धर्मध्वज फहराने से पहले पीएम मोदी ने अयोध्या की सड़कों पर रोड किया। आज के इस कार्यक्रम को साधू संतों ने एतिहासिक बताया और कहा कि पीएम मोदी न होते तो अयोध्या में मंदिर निमार्ण न हो पाता। वहीं विपक्ष ने आज के कार्यक्रम पर तंज कसते हुए कहा है राम मंदिर पर ध्वजारोहण कोई संत या धर्मगुरु को करना चाहिए था।

पूर्व कैबिनेट मिनिस्टर रविदास मेहरोत्रा ने कहा है कि राम मंदिर पर जो ध्वजारोहण के इस पुनीत कार्य को संत और धर्मगुरु के द्वारा करना चाहिए था। उन्होंने कहा है कि भाजपा हर धार्मिक आयोजन में राजनीति खोजती है। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के राम मंदिर न जाने पर कहा है कि जो लोग दर्शन के लिए नहीं गए उनके लिए यह दुर्भाग्य की बात है। प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह सौभाग्य की बात है।

इकबाल अंसारी बोले- देश को सद्भाव की जरूरत

अयोध्या के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन सनातन संस्कृति का पुनर्जागरण है और देश-दुनिया से लोग जश्न मनाने आ रहे हैं, जो अयोध्या में खुशी की लहर को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शिखर पर पवित्र ध्वज फहराया जाना सद्भाव और देश की प्रगति की कामना के साथ राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने आमंत्रित किए जाने पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि शहर में खुशी की लहर है क्योंकि भारत और दुनिया भर से लोग जश्न मनाने के लिए इकट्ठा हो रहे हैं।

वेदांती का बयान भारत अब हिंदू राष्ट्र

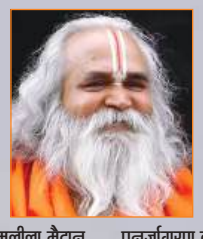

बीजेपी के पूर्व सांसद रामविलास दास वेदांती ने बड़ा बयान ने माहौल में एक और गर्जना जोड़ दी है। उन्होंने कहा है कि आज मेरी घोषणा सच होने का दिन है। वेदांती ने याद दिलाया कि जब वे सुल्तानपुर जेल में थे और बाद में दिल्ली में धर्म संसद आयोजित हुई थी तब उन्होंने रामलीला मैदान से घोषणा की थी कि जिस दिन राम मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज फहरेगा वही दिन भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की दिशा में पहला कदम होगा। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या में धर्मध्वज फहरा रहे हैं वेदांती का दावा है कि यही वह ऐतिहासिक क्षण है जिसकी कल्पना उन्होंने वर्षों पहले की थी। उनके इस बयान पर कि अरज पीएम मोदी हिंदू राष्ट्र की धर्मध्वजा फहराने जा रहे हैं ने राजनीतिक हलकों में लहर पैदा कर दी है। समर्थक इसे सांस्कृतिक पुनर्जागरण की जीत बता रहे हैं जबकि विपक्ष इसे देश के धर्मनिरपेक्ष ढांचे पर प्रहार और चुनावी ध्रुवीकरण का हथकंडा कह रहा है।

समकोण त्रिभुजाकार ध्वज

दस फीट ऊंचा और बीस फीट लंबा समकोण त्रिभुजाकार ध्वज, भगवान श्री राम के तेज और पराक्रम का प्रतीक, एक दीप्तिमान सूर्य की छवि को दर्शाता है, जिस पर कोविदारा वृक्ष की छवि के साथ अंकित है। पवित्र भगवा ध्वज, राम राज्य के आदर्शों को मूर्त रूप देते हुए, गरिमा, एकता और सांस्कृतिक निरंतरता का संदेश देगा।

आज पूरा विश्व राममय है, हर राम भक्त के हृदय में : मोदी

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज फहराया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पावन अवसर पर हाथ जोड़कर भगवान राम को प्रणाम किया। वैदिक मंत्रों के मंत्रोच्चार और अभिजीत मुहूर्त में हुए इस ध्वजारोहण ने पूरी रामनगरी को उत्सव के रंग में रंग दिया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि सदियों बाद घाव भर रहा है। पीएम मोदी ने कहा, आज अयोध्या नगरी भारत की सांस्कृतिक चेतना के एक और उत्कर्ष-बिंदु की साक्षी बन रही है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर ध्वजारोहण उत्सव का यह क्षण अद्वितीय और अलौकिक है। ये धर्म ध्वजा केवल एक ध्वज नहीं, ये भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का ध्वज है। ये ध्वज संघर्ष से सृजन की गाथा है, सदियों से चले आ रहे स्वप्नों का साकार स्वरूप है, संतों की साधना और समाज की सहभागिता की सार्थक परिणीति है। पीएम मोदी ने आगे कहा, सदियों की वेदना आज विराम पा रही है। सदियों का संकल्प आज सिद्धी को प्राप्त हो रहा है। आज उस यज्ञ की पूर्णाहूति है, जिसकी अग्नि 500 वर्ष तक प्रज्जवलित रही। जो यज्ञ एक पल भी आस्था से डिगा नहीं। एक पल भी विश्वास से टूटा नहीं। ये धर्म ध्वजा केवल एक ध्वजा नहीं, ये भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का ध्वज है।

'बीजेपी नहीं सुप्रीम कोर्ट ने बनवाया है राम मंदिर'

पूर्व कैबिनेट मिनिस्टर रविदास मेहरोत्रा ने कहा है कि राम मंदिर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बना है। सुप्रीम कोर्ट ने एक ट्रस्ट बनाया जिसने राम मंदिर का निर्माण करवाया है। इसमें भाजपा का कोई योगदान नहीं है। भाजपा के लोगों ने राम मंदिर के नाम पर करोड़ों रुपए एकत्रित किए हैं। राम मंदिर पर ध्वजारोहण किसी संत महात्मा या फिर धर्मगुरु के द्वारा संपादित होना चाहिए था। उन्होंने कहा है कि भाजपा हर धार्मिक आयोजन में राजनीति खोजती है। रविदास ने आगे कहा कि हम लोग चाहते हैं कि यूपी मजबूत रहे और इसका विभाजन न होने पाए। उत्तर प्रदेश को शक्तिशाली और मजबूत बनाने की जरूरत है। यूपी जितना बड़ा है उतना बड़ा ही रहना चाहिए।

आस्था जीवन को सकारात्मकता और सद्भाव से भरने वाली ऊर्जा का नाम : अखिलेश यादव

» बोले सपा प्रमुख-केदारेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद दूसरे मंदिरों के दर्शन करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर आज धर्म ध्वज की स्थापना होनी है। इस बीच समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रतिक्रि या सामने आई हैं। सपा प्रमुख ने कहा आस्था जीवन को सकारात्मकता और सद्भाव से भरनेवाली ऊर्जा का ही नाम है। दर्शन के लिए ईश्वरीय इच्छा ही मार्ग बनाती है, वही बुलाती है। सच तो ये है कि हम सब तो ईश्वर के बनाएं मार्ग पर बस चलकर जाते हैं, आस्थावान रहें, सकारात्मक रहें!

सपा अध्यक्ष ने कहा कि जब उनके द्वारा इटावा में बनाए जा रहे श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण संपन्न हो जाएगा तब वो दूसरे मंदिरों के दर्शन का संकल्प भी पूरा करेंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बिना राम मंदिर का जिक्र किए बताया कि जब इटावा में श्री केदारेश्वर मंदिर का निर्माण पूरा हो जाएगा तो वो अन्य मंदिरों के दर्शन करने भी जाएंगे। हालांकि उन्होंने अपनी पोस्ट में किसी खास मंदिर के नाम का जिक्र नहीं किया है। अखिलेश यादव ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा– पूर्णता ही पूर्णता की ओर ले जाती है। ईश्वरीय प्रेरणा से इटावा में निर्माणाधीन 'श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर' के पूर्ण होने पर अन्य मंदिरों के दर्शन का संकल्प भी पूर्ण करेंगे। बता दें कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव आज तक अयोध्या राम मंदिर के दर्शनों के लिए नहीं गए हैं. साल 2024 में राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में सपा अध्यक्ष को न्योता दिया गया था लेकिन, तब भी उन्होंने इस कार्यक्रम से दूरी बनाए रखी हालांकि वो कई बार कह चुके हैं कि सही समय पर वो अयोध्या जाएंगे।

केदारनाथ मंदिर के तर्ज पर इटावा में श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर बन रहा

बता दें कि इटावा में श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण उत्तराखंड स्थित केदारनाथ मंदिर की तर्ज पर हो रहा है, ये मंदिर सपा नेता अखिलेश यादव की ओर से बनवाया जा रहा है, जिसकी लागत करीब 50 करोड़ बताई जा रही है. इस मंदिर का निर्माण 2021 में शुरू हुआ था। अगले साल 2026 तक इसके पूरा होने की उम्मीद है।

सभ्य समाज में आतंकवादियों के लिए कोई जगह नहीं : वारिस पठान

» मदनी के बयान पर एआईएमआईएम का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने कहा कि मौलाना मदनी एक वरिष्ठ व्यक्ति हैं, वे जमीयत के प्रमुख हैं, मैं उनका सम्मान करता हूँ, मुझे नहीं लगता कि मेरे लिए इस पर टिप्पणी करना उचित होगा। लेकिन मैं यह कहना चाहता हूँ कि हम हमेशा से आतंकवादी हमलों की निंदा करते रहे हैं, सभ्य समाज में आतंकवादियों के लिए कोई जगह नहीं है, लेकिन आतंकवाद को किसी धर्म विशेष से जोड़ना गलत है।

इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या करने वाले मुसलमान नहीं थे। पठान ने कहा कि महात्मा गांधी की हत्या करने वाले नाथूराम गोडसे आरएसएस की विचारधारा से प्रभावित थे... आप उनके खिलाफ मुकदमा चलाएँ, लेकिन पूरे समुदाय पर सवाल न उठाएँ। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है। उनका सीधे तौर पर कहना है कि यह जो बयानबाजी हो रही है, यह पूरी तरीके से गलत है और यह कुतर्क है कि यहां पर यानी कि भारत में मुसलमानों को मौका नहीं दिया जाता। अगर सच्चा मुसलमान हो, देशभक्त हो और कुछ करने का जज्बा हो तो फिर एपीजे अब्दुल कलाम हम सबके सामने है और यह वो शख्सियत हैं जिनसे हर मुसलमान को और हर इंसान को सीख लेनी चाहिए। दिल्ली ब्लास्ट जांच के दायरे में आई अल फलाह यूनिवर्सिटी का उदाहरण देते हुए मुसलमानों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया। इस पर बीजेपी ने पलटवार करते जिसमें हुए कहा कि आतंकी बचाओ जमात सक्रि य हो गई है। मुख्यालय में एक कार्यक्रम में कहा कि जहां जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के मेयर चुने जा सकते हैं। एक खान लंदन का मेयर बन सकता है। वहीं भारत में मुसलमान यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर तक नहीं बन सकते। मदनी ने आगे कहा कि और अगर कोई बन भी जाता है, तो उसे आजम खान की तरह जेल भेज दिया जाएगा। आज अल फलाह के साथ जो हो रहा है, उसे देखिए। इसके संस्थापक जेल में हैं और कोई नहीं जानता कि वह कितने साल जेल में रहेंगे।

सिद्धारमैया के बाद डीके शिवकुमार ने भी की खरगे से मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलूरू। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर जारी रस्साकशी जारी है। ऐसे में इस बात को लेकर चर्चा तेज जब हो गई जब सिद्धारमैया की मुलाकात के बाद आज यानी मंगलवार को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी बंगलूरू में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की।

सूत्रों के मुताबिक, शिवकुमार की मुलाकात ऐसे समय में हुई जब पार्टी अध्यक्ष खरगे दिल्ली जाने के लिए तैयार थे, तभी उपमुख्यमंत्री शिवकुमार उनसे मिलने पहुंचे। इसके बाद मुलाकात के बाद, दोनों ने एक ही कार में बैठकर एयरपोर्ट की ओर रवाना हुए। बता दें कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर अटकलें तेज तब हो गई जब राज्य की कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर को अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा समय पूरा किया। इसी बीच, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच कथित 'पावर शेयरिंग' समझौते की बातें भी सामने आई हैं। ऐसे में चर्चा तेज हो गई कि क्या अब डीके शिवकुमार को अगले ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद दिया जा सकता है।

राबड़ी देवी ने केस ट्रांसफर की अर्जी दी, आज कोर्ट करेगा सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने आईआरसीटीसी भ्रष्टाचार मामले को किसी अन्य अदालत में स्थानांतरित करने की याचिका दायर की है, जिस पर 25 नवंबर को सुनवाई हो सकती है। यह याचिका ऐसे समय आई है जब लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय हो चुके हैं और मामला साक्ष्य चरण में है।

राबड़ी देवी ने आईआरसीटीसी भ्रष्टाचार मामले में स्थानांतरण के लिए अर्जी दी है। अदालत इस याचिका पर मंगलवार, 25 नवंबर को सुनवाई कर सकती है। यह मामला अभियोजन पक्ष के साक्ष्य के चरण में है। इस मामले में लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव भी आरोपी हैं। यह मामला आरोप तय होने के बाद अभियोजन पक्ष के साक्ष्य के चरण में है। इस अर्जी पर मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा सुनवाई किए जाने की संभावना है। आईआरसीटीसी होटल भ्रष्टाचार मामले में आपराधिक साजिश और अन्य अपराधों के लिए आरोप तय किए थे। यह मामला लालू प्रसाद यादव के रेल मंत्री रहते हुए रांची और पुरी स्थित दो आईआरसीटीसी होटलों की निविदा प्रक्रिया में कथित भ्रष्टाचार से संबंधित है। विशेष न्यायाधीश (सीबीआई) विशाल गोगने ने पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए थे। अदालत ने धोखाधड़ी, षड्यंत्र और भ्रष्टाचार से संबंधित अपराधों के लिए विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय किए थे। हालाँकि, सभी आरोपियों पर आपराधिक षड्यंत्र का आरोप है। यह आदेश खुली अदालत में सुनाया गया और अदालत द्वारा एक विस्तृत आदेश अपलोड किया जाना है। अदालत ने कहा कि सभी 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त आधार हैं। लालू प्रसाद यादव ने खुद को निर्दोष बताया है और कहा है कि वह मुकदमे का सामना करेंगे। राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव पर धोखाधड़ी और षड्यंत्र के अपराध के लिए आईपीसी की धारा 420, 120बी के तहत आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने आरोपों से इनकार किया और कहा कि वे मुकदमे का सामना करेंगे।

मृतक बीएलओ के परिजनों से मिले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

» सरकार एक करोड़ की मदद व पीड़ित के बेटे को नौकरी दे : अजय राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मलिहाबाद। कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सरांवा गांव पहुंचकर बीएलओ विजय कुमार वर्मा के परिवार से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया। बीएलओ विजय कुमार वर्मा (50) की शुक्र वार को ब्रेन हैमरेज से मौत हो गई थी। प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार से पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक मदद व बेटे को सरकारी नौकरी देने की मांग की। इसके पहले अजय राय के गांव पहुंचते ही मृतक कि पत्नी संगीता फफक-फफक कर रो पड़ी।

संगीता ने बताया कि अस्पताल में इलाज के लिए उधार रुपये लेकर पति का इलाज कराया था। लाखों रुपये खर्च होने के बाद भी उन्हें नहीं बचा सकी। कहा, अगर सरकार की तरफ से कोई मदद नहीं मिली तो वह

तहसील परिसर में आत्मदाह करने के लिए मजबूर होंगी। मृतक की पत्नी ने दु:ख जताते हुए बताया कि समाचार पत्र के माध्यम से जानकारी मिली है कि अधिकारी विजय कुमार वर्मा को कार्यमुक्त बता रहे हैं, जबकि एसआईआर के काम का अत्यधिक दबाव के चलते ही उनकी जान गई। इस दौरान विधानसभा प्रभारी शिवकुमार गौतम, ब्लॉक अध्यक्ष हबीबुर्रहमान सिद्दीकी, परवेज रमजी समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

अमेठी सांसद केएल शर्मा को अयोग्य घोषित करने की मांग वाली याचिका दायर, अगले सप्ताह सुनवाई

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में अमेठी से कांग्रेस सांसद किशोरी लाल शर्मा को सांसद पद के लिए अयोग्य ठहराने की मांग को लेकर एक अधिकार पृच्छा याचिका दाखिल की गई है। याचिका पर सुनवायी के लिए कोर्ट ने अगले सप्ताह में सूचीबद्ध करने का आदेशदिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा और न्यायमूर्तिअमिताभ कुमार राय की खंडपीठ ने शकील अहमद खान की याचिका पर दिया है। याचिका में वर्ष 2012 में किशोरी लाल के विरुद्ध रायबरेली के कोतवाली में दर्ज राष्ट्रीय ध्वज अपमान के आरोप व भारतीय दंड संहिता के अन्य धाराओं में दर्ज एक एफआईआर का हवाला देते हुए कहा गया है कि किशोरी लाल ने नामांकन के दौरान दिए गए शपथ पत्र में उक्त एफआईआर की बात छिपा ली, लिहाजा वह सांसद के पद पर बने रहने योग्य नहीं हैं।

कर्नाटक में कांग्रेस की कलह! नहीं हो पा रहा सुलह

सिद्धरमैया व शिवकुमार कांग्रेस अध्यक्ष खरगे से मिले

सीएम व डिप्टी सीएम ने अनबन से नकारा

» गृहमंत्री के बयान पर घमासान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक में कांग्रेस की कलह खत्म हो ने का नाम नहीं ले रही है। सीएम सिद्धरमैया व उपमुख्यमंत्री शिवकुमार बार-बार सीएम की कुर्सी पर किसी भी विवाद को नकारते हैं। परंतु कभी दोनों के गुटों के विधायक शीर्ष लीडरशीप ये मिलकर किसी भी अनबन से इंकार करते हैं। पर दिल्ली से कर्नाटक पहुंचते ही फिर सियासी नाटक आरंभ हो जाता है। ताजे मामले में अब गृह मंत्री परमेश्वर ने सीएम पद पर अपना दावा ठोंका दिया है और शिवकुमार को चुनौती दे दी है।

उधर भाजपा इस पर नजर रख रही हैं। वह कहीं फिर ऑपरेशनलोटस चलाकर सत्ता हथियाने की जुगत भी लगा रही है। हालांकि यह दूर की कौड़ी है पर सियासत में कब क्या होगा किसी को पता नहीं है कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मुख्यमंत्री पद की दौड़ में खुद को शामिल बताया है, साथ ही उन्होंने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर भी तंज कसा, जिससे कांग्रेस में अंदरूनी कलह की चर्चा तेज हो गई है। परमेश्वर ने दलित नेताओं के साथ बैठकों को स्वाभाविक बताते हुए कहा कि समुदाय लंबे समय से मुख्यमंत्री पद की मांग कर रहा है।

बार-बार की बैठकों को बताया सामान्य

उन्होंने बताया कि हमने सतीश जारकीहोली के घर पर साथ में भोजन किया। क्या यह गलत है? हमने बैठक के दौरान राजनीति पर भी बात की। सरकार में मंत्री होने के नाते, हमने विभागों में किए जाने वाले जरूरी कामों पर चर्चा की। परमेश्वर ने आगे बताया कि दलित समुदाय के नेताओं ने अनुसूचित जातियों (एससी) के आंतरिक आरक्षण सहित कई मुद्दों पर चर्चा के लिए बैठक की है। उन्होंने कहा, हम सब एकमत हैं। आंतरिक आरक्षण पर लड़ाई खत्म हो गई है। उन्होंने पूछा कि क्या हमें अपनी समस्याओं पर चर्चा नहीं करनी चाहिए? परमेश्वर ने कहा कि मैं हमेशा से मुख्यमंत्री पद की दौड़ में रहा हूँ। 2013 में, मैं कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) का अध्यक्ष था। हम तब कांग्रेस सरकार को सत्ता में लाए थे। मैंने कभी नहीं कहा कि मैं अकेले सरकार को सत्ता में लाया हूँ। सभी ने मिलकर काम किया। लोगों ने वोट दिया और पार्टी को जिताया। मैं उस समय हार गया था। मुझे नहीं पता कि अगर मैं जीत जाता तो क्या होता। वे केपीसीसी अध्यक्ष को मौका देते हैं। कुछ मामलों में इसका पालन नहीं किया जाता।

कांग्रेस में 'बड़े बदलाव' होने वाले हैं : कुमारस्वामी

इस बीच, केंद्रीय मंत्री एवं जनता दल सेक्युलर नेता एच डी कुमारस्वामी ने दावा किया कि कांग्रेस में 'बड़े बदलाव' होने वाले हैं और पार्टी कैडर को इसके लिए तैयार रहना चाहिए।

शिवकुमार बोले- 140 विधायक मंत्री बनने के योग्य

कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का बड़ा बयान आया है। डीके शिवकुमार ने कहा कि समूह बनाना मेरे खून में नहीं है। सभी 140 विधायक मेरे विधायक हैं। सीएम ने फैसला किया है कि वह सरकार और कैबिनेट में फेरबदल करेंगे। इसलिए, वे सभी मंत्री बनने के इच्छुक हैं। यह स्वाभाविक है कि वे दिल्ली जाकर नेताओं से मिलेंगे। इसके अलावा, मैं क्या कह सकता हूँ? उन्हें पूरा अधिकार है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं किसी को नहीं ले गया। उनमें से कुछ लोग खड़गे साहब से मिले। उन्होंने सीएम से भी मुलाकात की। क्या गलत है? यह उनकी जिंदगी है। किसी ने उन्हें बुलाया नहीं है, वे स्वेच्छा से जा रहे हैं और अपना चेहरा दिखा रहे हैं। वे अपनी उपस्थिति दिखाना चाहते थे कि वे सबसे आगे हैं, काम कर सकते हैं और वे जिम्मेदारी चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सभी 140 विधायक मंत्री और मुख्यमंत्री बनने के योग्य हैं। वे सब कुछ बन सकते हैं...मुख्यमंत्री ने कहा है कि वे 5 साल पूरे करेंगे। मैं उन्हें शुभकामनाएँ देता हूँ। हम सब उनके साथ मिलकर काम करेंगे कांग्रेस विधायक टीडी राजेगौड़ा ने कहा कि यह निर्णय हाईकमान और सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार को लेना है... मैंने शिवमोगा, कुछ सड़क मुद्दों सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। कांग्रेस के शीर्ष सूत्रों ने बताया कि सिद्धारमैया ने शुक्रवार सुबह खड़गे से कांग्रेस पार्टी की छवि और राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की लगातार चर्चा से सरकार को हो रहे नुकसान के बारे में बात की। खड़गे ने सिद्धारमैया को आश्वासन दिया कि वह स्थिति का आकलन करेंगे और उसका समाधान निकालेंगे। सिद्धारमैया शनिवार को मैसूर में खड़गे से भी मुलाकात करेंगे। शिवकुमार के प्रति वफादार विधायक - गुब्बी विधायक श्रीनिवास, श्रृंगेरी विधायक टीडी राजेगौड़ा, कुनिगल विधायक एचडी रंगनाथ, अनेकल विधायक बी. शिवन्ना, कुदाची विधायक महेंद्र कल्लप्पा तम्मन्नावर, होसकोटे विधायक शरत बच्चे गौड़ा, नेलमंगला विधायक एन. श्रीनिवास, मांड्या विधायक रविकुमार गौड़ा और कुछ एमएलसी इस समय दिल्ली में हैं। उन्होंने गुरुवार रात खड़गे से मुलाकात की।

सिद्धरमैया ने खरगे से मुलकात की

सिद्धरमैया ने खरगे के साथ अपनी मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया। वह शुक्रवार शाम को नई दिल्ली से लौटे थे। सिद्धरमैया और उप मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डी के शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर खींचतान चल रही है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि वह अपने पद पर बने रहेंगे और भविष्य में राज्य का बजट भी पेश करेंगे। मुख्यमंत्री ने हालांकि राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को खारिज कर दिया। सिद्धरमैया ने खरगे के साथ अपनी मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया। वह शुक्रवार शाम को नई दिल्ली से लौटे थे। सिद्धरमैया और उप मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डी के शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर खींचतान चल रही

है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि वह अपने पद पर बने रहेंगे और भविष्य में राज्य का बजट भी पेश करेंगे। जवाब में, शिवकुमार ने उन्हें 'ऑल द बेस्ट' कहा। सिद्धरमैया ने खरगे से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, ''यह शिष्टाचार भेंट थी। हालांकि, इस दौरान हमने संगठन और बेंगलुरु महानगरपालिका सहित अगामी स्थानीय निकाय चुनावों पर भी चर्चा की।'' सिद्धरमैया से जब संवाददाताओं ने पूछा कि क्या राज्य में मुख्यमंत्री बदलने को भी लेकर चर्चा हुई तो इसके जवाब में उन्होंने कहा, ''यह सिर्फ अटकलें हैं। आपने (मीडिया) ही इसे बनाया है।'' मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उन्होंने खरगे से यह नहीं पूछा कि कर्नाटक के कुछ कांग्रेस विधायक उनसे दिल्ली में क्यों मिले। उन्होंने कहा, ''अगर मुझे विधायकों के खरगे से मिलने के पीछे की वजह के बारे में जानकारी इकट्ठा करनी है, तो मैं खुफिया विभाग से इकट्ठा करुंगा। मैंने विधायकों से यह नहीं पूछा है कि वे वहां क्यों गए थे।'' कांग्रेस सूत्रों ने पहले बताया था कि कम से कम 15 विधायक और करीब एक दर्जन विधान परिषद सदस्य नई दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं ताकि कांग्रेस आलाकमान पर शिवकुमार को कर्नाटक का अगला मुख्यमंत्री बनाने के लिए दबाव डाल सकें।

वह हमेशा से मुख्यमंत्री पद की दौड़ में हैं : परमेश्वर

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने दोहराया कि वह मुख्यमंत्री पद की दौड़ में बने हुए हैं, साथ ही उन्होंने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर भी निशाना साधा। इससे पहले पत्रकारों से बात करते हुए, परमेश्वर ने कहा कि वह हमेशा से मुख्यमंत्री पद की दौड़ में रहे हैं, और कहा कि यह न तो नया है और न ही विवादास्पद। कांग्रेस की 2013 की जीत को याद करते हुए उन्होंने कहा कि जब मैं कर्नाटक कांग्रेस का अध्यक्ष था, तब मैंने पार्टी को सत्ता में लाने में मदद की थी। लेकिन मैंने कभी कहीं यह दावा नहीं किया कि मैंने अकेले इसके लिए काम किया या पार्टी की जीत के लिए मैं पूरी तरह जिम्मेदार था। कर्नाटक के लोक निर्माण विभाग

(पीडब्ल्यूडी) मंत्री सतीश जारकीहोली सहित दलित समुदाय के कांग्रेस नेताओं की बार-बार हो रही बैठकों के बारे में पूछे जाने पर, परमेश्वर ने कहा कि दलित लंबे समय से मुख्यमंत्री पद की मांग कर रहे हैं। क्या यह सिर्फ हमारी मुलाकात से हो जाएगा? परमेश्वर की यह टिप्पणी हाल ही में जारकीहोली द्वारा अपने आवास पर दलित समुदाय के नेताओं के लिए आयोजित रात्रिभोज की पृष्ठभूमि में आई है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

साफ हवा-पानी सबका हक, अनदेखी खतरनाक

जिस तरह दिल्ली में प्रदूषण ने कहर बरपाया है वह तो अकल्पनीय है ही उससे भी बड़ी दिल को झकझोरने वाली बात तो ये रही कि वहां के आम नागरिक सरकार से साफ हवा की मांग कर रहे थे उनके ऊपर जबरिया पुलिस उत्पीड़न किया गया है। लोकतंत्र के लिए ये सबसे बड़ी त्रासदी है जिस सरकार को दिल्ली वालों ने बड़ी उम्मीद से सत्ता सौंपी थी वह अपने सारे वादों को पूरा करने में हीलाहवाली कर रही है। सरकारों को सोचना चाहिए कि दिल वालों की दिल्ली की सांसे अब गंदी हवां से फू ल रहीं हैं। नीति नियंताओं को सोचना पड़ेगा हवा, पानी तो उन्हे हर हाल में मुहैया करना पड़ेगा। लाठीचार्ज से या प्रदर्शनों पर रोक लगाने से हकीकत से बचा नहीं जा सकता है।

“ सरकारों को सोचना चाहिए कि दिल वालों की दिल्ली की सांसे अब गंदी हवां से फू ल रहीं हैं। नीति नियंताओं को सोचना पड़ेगा हवा, पानी तो उन्हे हर हाल में मुहैया करना पड़ेगा। लाठीचार्ज या प्रदर्शनों पर रोकलगाने से हकीकत से बचा नहीं जा सकता है।

लोगों का कहना है कि वोट बैंक की राजनीति से दिल्ली नरक बनती जा रही है। आपकों बता दें हर साल नवंबर का महीना आते ही देश की राजधानी दिल्ली एक गैस चैंबर में तब्दील हो जाती है। नवंबर 2025 में एक बार फिर दिल्लीवासियों का सांस लेना दूभर हो गया है। सुबह की शुरुआत ताजी हवा से नहीं, बल्कि धुंध की एक मोटी चादर और आंखों में जलन के साथ हो रही है। लगातार गिरती वायु गुणवत्ता को देखते हुए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के विशेषज्ञों ने इसे 'मेडिकल इमरजेंसी' करार दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि दिल्ली का प्रदूषण अब केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि लोक स्वास्थ्य का बड़ा खतरा बन गया है। वर्तमान स्थिति के ताजा आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2025 के मध्य में दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया है। कुछ स्थानों पर यह 500 के खतरनाक स्तर को भी छू रहा है। स्थिति को देखते हुए ग्रैप के कड़े चरण लागू किए गए हैं, जिसमें निर्माण कार्यों पर रोक और पेट्रोल व डीजल गाड़ियों पर प्रतिबंध शामिल हैं। परन्तु सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के दीर्घकालिक समाधान का समर्थन करते हुए, ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के तहत प्रतिबंधित सभी गतिविधियों पर साल भर प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने पंजाब और हरियाणा सरकारों को दोनों राज्यों में पराली जलाने के मुद्दे पर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के निर्देशों का सख्ती से पालन करने को कहा। एक्सपर्ट का साफ अनुमान है कि ऐसे गंभीर प्रदूषण में बिना मास्क के बाहर निकलना या साँस लेना, एक दिन में 20 से 25 सिगरेट पीने के बराबर हो सकता है।जो स्वस्थ लोगों को भी नुकसान पहुंचाती है और बीमार लोगों की हालत और बिगाड़ सकती है। उम्मीद की जानी चाहिए राजनीति से ऊपर उठकर सभी लोग दिल्ली की हवा को साफ करने में अपना योगदान देंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लड़ाकू विमानों के लिए स्वदेशी इंजन चाहिए

अरुणेंद्र नाथ वर्मा

दुबई में आयोजित एयर शो में भारत के तेजस मार्क1 लड़ाकू विमान की दुर्घटना में एक अनुभवी और बहादुर पायलट की शहादत ने देशवासियों को गहरी ठेस पहुंचाई है। पर दुर्घटना के बारे में अटकलें लगाने से देश का, तेजस को उड़ाने वाले वीरों का और उसके उत्पादन में जुटी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स का कोई हितसाधन नहीं होगा। वर्ष 1963 में भारतीय वायुसेना से जुड़े मिग 21 विमान के लिए अच्छे विकल्प की खोज के बाद 1980 में तेजस मल्टीरोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट के निर्माण का फैसला गहरी विवेचना और अध्ययन का परिणाम था। उत्पादन की दीर्घकालीन तैयारी के बाद इसकी प्रथम टेस्ट उड़ान 2001 में भरी जा सकी। उसके बाद भी भारतीय वायुसेना में प्रवेश मिलने में इसे काफी समय लगा। वर्ष 2016 में सक्रिय (ऑपरेशनल) रूप से अपनाये जाने के बाद मार्च, 2024 में पहला तेजस विमान दुर्घटनाग्रस्त होने तक इसका रिकॉर्ड बेदाग था।

उसके बाद भी वायुसेना में सक्रिय रूप से इसका उपयोग होता रहा है। अत: तेजस का इतिहास संदिग्ध नहीं है। एयर शो के दौरान दुर्घटनाग्रस्त होने की यह पहली घटना नहीं है। इंग्लैंड का हॉकर हंटर टी7 जैसा सफल विमान उसी देश के एयर शो में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। वर्ष 2002 में यूक्रेन के स्कनीलिव एयर शो में यूक्रेनी वायुसेना का सुखोई जैसा प्रतिष्ठित विमान दर्शकों की भीड़ के बीच आ गिरा था। दुबई एयर शो में तेजस के पायलट ने जो कलाबाजियां दिखाईं, वे किसी भी विमान की क्षमता और विमानचालक के कौशल की चरम सीमा तक परीक्षा लेती हैं। ऐसी ही चरम कलाबाजी थी बैरेल रोल जैसा वह उद्यम, जिसके अंत में कम ऊंचाई से गहरी डाइव लगाते हुए हमारा विमान रेतीली जमीन से टकरा कर नष्ट हो गया। दुर्घटना के समय मौसम साफ था, आकाश की मध्य और ऊंची परतों में दर्शनीयता अच्छी थी, पर धरती की सतह के निकट धूल आदि के कारण तिरछी दर्शनीयता कम थी। ऐसे में, दुर्घटना के कई कारण हो सकते हैं-जैसे, विमान के इंजन में उस किस्म की खराबी, जैसी एयर इंडिया के बोईंग में हुई थी या फ्लाई बाई वायर तकनीक में प्रयुक्त होने वाली कंट्रोल सरफेस का ठीक तरह काम न करना। या पायलट से गलती होना।

बहुत अनुभवी पायलट भी दिग्भ्रमित होकर गलती कर सकता है। डाइव करते विमान में चरम निगेटिव जी (गुरुत्वाकर्षण) के कारण पायलट का खून उसके मस्तिष्क की तरफ भागता है, वैसी स्थिति में उसका दिग्भ्रमित होकर क्षितिज की पहचान न कर पाना संभव है और वह विमान को ऊपर खींचने में क्षण भर की देर कर सकता है, खासकर जब वह धरती

की सतह के बहुत निकट आ चुका हो। या फिर विमान के कल-पुर्जों में शत्रु द्वारा छेड़छाड़ हो सकती है। वैज्ञानिक ढंग से जांच करने वाली एजेंसी द्वारा विमान के एफडीआर (फ्लाइट डाटा रिकॉर्डर या ब्लैक बॉक्स) और सीवीआर (कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर) का परीक्षण पूरा होने के बाद ही कुछ कहना उचित होगा। पर इसमें शक नहीं कि इस दुर्घटना ने वायुसेना के भविष्य से संबंधित कठिनाइयों की तरफ भी ध्यान आकर्षित किया है। जो भारतीय वायुसेना अपेक्षित 42 स्क्वॉड्रनों की जगह अभी 29 स्क्वॉड्रनों से काम चला रही है और जिसमें 97 तेजस विमानों को शामिल करने का बहुत बड़ा आदेश दिया जा चुका है, उसके अनिश्चित भविष्य को यह दुर्घटना खूब रेखांकित करती है। तेजस चौथी और पांचवीं पीढ़ी के बीच का विमान है, पर तेजस एमके1ए और उसकी आने वाली विकसित किस्मों से पांचवीं पीढ़ी के विमानों वाली क्षमता की उम्मीद लगायी जा रही है। इतनी बड़ी संख्या में तेजस एमके1 का निर्माण अमेरिका से लाये जीइ एफ 404आइएन 20 इंजन की आपूर्ति पर निर्भर है। भारत ने अब 113 अतिरिक्त इंजनों का आदेश भी दे दिया है, जिनकी आपूर्ति 2027 में शुरू होगी। एचएएल (हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड) तो अपनी निर्माण क्षमता तेजी से बढ़ा रहा है, लेकिन जीइ कंपनी इंजन की आपूर्ति बेहद निराशानजनक ढंग से कर पा रही है। आगे चलकर तेजस एमके2 के लिए और अधिक सशक्त जीइ ए 414 इंजन की जरूरत होगी। ट्रंप के तेवर देखते हुए इतने महत्वपूर्ण विमानों के लिए अमेरिका पर इतनी निर्भरता खतरनाक साबित हो सकती है। यह तथ्य है कि जिस भारत की इसरो जैसी संस्था चंद्रयान, गगनयान और उपग्रहों का निर्माण कर सकती है, जिसकी डीआरडीओ संस्था ड्रोन और ब्रह्मोस जैसे प्रक्षेपास्त्र बना सकती है, वह जेट विमानों के इंजन बनाने में अभी तक विफल रहा है। भारत में निर्मित कावेरी इंजन बहुत ऊंचाई पर समुचित शक्ति उत्पादन नहीं कर पा रहा है। हमारी प्रयोगशालाएं अति विकसित लड़ाकू विमानों के इंजन के लिए उपयुक्त धातु बनाने में अभी तक अक्षम रही हैं।

ऐसे में, समय आ गया है कि निजी क्षेत्र की सबसे महत्वपूर्ण कंपनियों को जेट इंजन बनाने के लिए प्रेरित किया जाये और इस काम में सहायता देने को तैयार विदेशी कंपनियों से हरसंभव सहायता ली जाये। अंतरिम काल में रूस की एसयू 57 विमान देने की पेशकश पर भी गंभीरता से विचार किया जाये। तेजस विमान का एयर शो में प्रदर्शन विदेश में निर्यात की आशा से प्रेरित था। बेहतर होगा कि पहले हम अपने लड़ाकू विमान उद्योग को वैश्विक स्तर का बनाने पर जोर दें।

अल्पसंख्यक युवाओं में पनपते रोष पर विचार जरूरी

ज्योति मल्होत्रा

ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है, यह कथन किसी और का नहीं बल्कि एक हफ्ते पहले दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का है, जब वे पाकिस्तान से लगते उत्तरी अरब सागर के अलावा पश्चिमी मोर्चे पर तीनों सेनाओं के 'त्रिशूल' नामक समन्वित अभ्यास में प्रदर्शित 'क्रियान्वयन के उच्च स्तर' की प्रशंसा कर रहे थे। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि इंटेलिजेंस एजेंसियां जल्द ही लाल किले पर हुए आत्मघाती हमले की तह तक पहुंच जाएंगी, जिसमें 14 लोग मारे गए थे - तब से लेकर छह लोगों की गिरफ्तारी हुई है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, हो सकता है सीरिया और तुर्की जैसी जगहों से काम करने वाले इस्लामिक स्टेट की छद्म ताकत भारत के अंदरूनी आतंकवादियों को आतंक-प्रशिक्षण मॉड्यूल से जोड़ रही है।

यह भी माना जाता है कि छह आतंकी आरोपियों में से एक, डॉ. शाहीन शाहिद, पाकिस्तान में अपने मुख्यालय वाले जैश-ए-मोहम्मद आतंकी गुट की भारत में उसके महिला विंग की मुखिया हैं। जरा इस बारे में सोचिए। ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है, जिसका मतलब है कि बाहरी दुश्मन यानी पाकिस्तान, भारत की सिक्योरिटी एजेंसियों की टोही नजर में हर वक्त बना रहता है। लेकिन अंदर पनपते कट्टरपन का क्या? किस वजह से युवक-युवतियां, जिनमें से कई बहुत पढ़े-लिखे हैं, इतने गुस्से में हैं कि वे आत्मघाती बनने और देश में तबाही फैलाने को तैयार हो रहे हैं, खासकर तब जब अर्थव्यवस्था ठीक-ठाक रफ्तार से बढ़ रही है? आइये, पहले अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ देखते हैं। भारत के दुश्मन, पाकिस्तान पर पश्चिम के ताकतवर देश न केवल मेहरबान हो रहे हैं बल्कि ट्रंप ने तो असीम मुनीर को 'मेरा पसंदीदा फील्ड मार्शल' तक बता डाला, इसी दौरान वे इस बात पर जोर देते आए हैं कि न सिर्फ उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में समझौता करवाया बल्कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें फोन करके बताया कि 'हम पाकिस्तान के साथ जंग नहीं करने जा रहे हैं'- पाकिस्तान बांग्लादेश के साथ अपने रिश्ते भी बहाल कर रहा है, वे संबंध जो 1971 के बाद से लगभग नदारद रहे।

अब हम सब जानते हैं कि शेख हसीना और उनकी अवामी लीग जब तक सत्ता में थी, आईएसआई को बांग्लादेश से बाहर रखा- यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। इसीलिए भारत ने इतने सालों तक अपनी ओर से ज्यादा चौकसी नहीं रखी, तब भी जब बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री ने अपने देश को सिक्योरिटी जोन में बदल डाला, छात्रों के लोकतांत्रिक विरोध की ताकत का गलत अंदाजा लगाया और विपक्षी पार्टियों को पूरी तरह कुचले रखा था - लेकिन यह एक अलग कहानी है, जिस पर बात किसी और वक्त। सच तो यह है कि आज, आईएसआई की न केवल बांग्लादेश में वापसी हो चुकी है, बल्कि वह वहां अपनी मौजूदगी का खुलकर प्रदर्शन भी कर रही है और उच्चतम नेतृत्व तक उसकी सीधी पहुंच है। इतना ही नहीं, इस महीने की शुरुआत में, 54 साल में पहली बार, किसी पाकिस्तानी जंगी जहाज ने चटगांव बंदरगाह पर लंगर डाला। इसका मतलब है कि भारत को अपने पश्चिमी और पूर्वी, दोनों पार्श्वों पर, चौकन्ना रहना होगा।

मानो देश के लिए बाहर से बनने वाली यह चुनौती भारत के लिए काफी नहीं थी, सवाल यह कि भारतीय युवा अंदर से भी क्यों कट्टरपंथी बन रहे हैं, यह हमारे लिए और भी ज्यादा चिंता की वजह है। शायद एक लघु प्रश्नोतरी कुछ जवाब दे पाए। उदाहरणार्थ, मुजम्मिल शकील गनई, अदील अहमद राठर, शाहीन सईद, इरफान अहमद वागे, आमिर राशिद अली और जसीर बिलाल वानी के बीच एक समान क्या है, इन सभी पर लाल किला विस्फोट कांड में राज्य में बड़ी अव्यवस्था की साजिश रचने का आरोप है? दूसरा, उमर खालिद, शरजील इमाम, मीरान हैदर, गुलफिशा फातिमा, शिफा उर-रहमान, मोहम्मद सलीम खान के बीच क्या एक समान है, इन सभी पर 2019 के दिल्ली दंगों के जरिये सरकार को अस्थिर करने का षड्यंत्र रचने का आरोप है? तीसरा, मोहम्मद अखलाक, मजलूम अंसारी, इम्तियाज खान, पहलू खान, अलीमुद्दीन अंसारी, रकबर खान, कासिम, मोहम्मद जहीरुद्दीन, लुकमान अंसारी और अफान अब्दुल अंसारी के बीच एक जैसा क्या था, इन सब को इस अफवाह पर पीट-पीटकर मार डाला गया कि वे गोमांस ले जा रहे थे? इन सबका छोटा-सा जवाब यह है कि ये सब मुसलमान हैं।

जरा सोचिए। लाल किले पर हुए विस्फोट में शामिल लोग, वे आरोपी जिन्हें पुलिस ने दिल्ली दंगों के मामले में यूएपीए के तहत पकड़कर जेल में डाल रखा है और साथ ही वे जिन को गोरक्षकों ने गोमांस ले जाने की अफवाह पर पीट-पीट कर मार डाला - मुसलमानों के इन एकदम अलग-अलग समूहों के बीच एक उभयनिष्ठ बिंदु है, उनका धर्म। मुजम्मिल शकील पेशे से एक डॉक्टर हैं, इरफान अहमद एक मुफ्ती हैं, उमर खालिद ने जेएनयू से एमफिल किया है, गुलफिशा फातिमा ने दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की है और अखलाक और बाकी लोग उत्तर प्रदेश, झारखंड और राजस्थान के ट्रक चालक थे। ये महिला-पुरुष भारत के विभिन्न सामाजिक-आर्थिक तबकों से हैं - जिनके बीच जमीन-आसमान का अंतर है। दिक्कत यह है कि हम इन सबको एक ही जैसे मान रहे हैं। शकील और इरफान, और उमर उन-नबी जोकि लाल किले के बाहर हुए बम विस्फोट का आत्मघाती बॉम्बर था, इस जैसों को वाकई सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए, उन्होंने देश को अंदर से कमजोर करने की कोशिश की।

रूखे हाथ के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

सर्दियों का मौसम आते ही हाथों की त्वचा रूखी और खुरदरी हो जाती है। ऐसे में लोग बॉडी लोशन और हैंड क्रीम का इस्तेमाल भी करने लगते हैं। कई बार बाजार की महंगी क्रीम और लोशन भी हाथों की नमी को बनाए रखने में पूरी तरह सफल नहीं हो पाती। ऐसे में घरेलू नुस्खे अपनाना सबसे आसान और कारगर उपाय साबित होता है। घरेलू उपायों में प्राकृतिक तेल, हर्ब्स और फलों के मिश्रण से हाथों को मुलायम और नर्म बनाया जा सकता है। रोजाना थोड़े समय में इन उपायों को अपनाकर आप न सिर्फ हाथों की रूखापन दूर कर सकते हैं, बल्कि उन्हें जवान और चमकदार भी रख सकते हैं। अगर आपके हाथों की त्वचा भी रूखापन दिखा रही है, तो ये आसान घरेलू नुस्खे आपके काम आएंगे और किसी क्रीम की जरूरत नहीं पड़ेगी।

नारियल के तेल

बात करें पहले नुस्खे की तो आप सिर्फ नारियल के तेल के इस्तेमाल से अपने हाथों का रूखापन दूर कर सकते हैं। इसके लिए हर रोज रात को सोने से पहले हाथों पर नारियल तेल लगाकर हल्की मालिश करें। नारियल का तेल बेहद कम दामों में बाजार में आसानी से मिल भी जाता है। नारियल तेल शरीर के साथ-साथ बालों में भी लगाया जाता है। आयुर्वेद कहता है कि नारियल तेल त्वचा और बालों के लिए भी काफी फायदेमंद साबित होता है। लेकिन अगर नारियल तेल में थोड़ा सा कपूर मिला लिया जाए तो सोने पर सुहागा हो जाएगा।

एलोवेरा

अगर आपके घर में एलोवेरा का पौधा लगा है, तो उसमें से फ्रेश एलोवेरा जेल निकालकर हर दिन अपने हाथों पर लगाएं। इसे 15-20 मिनट रखकर आप अपने हाथों को धो सकते हैं। अगर ताजा एलोवेरा जेल नहीं है, और बाजार वाले जेल का इस्तेमाल कर रहे हैं तो आप इसे लगाकर रात में सो भी सकते हैं। इसके अलावा दिन भर की थकान के बाद शरीर की स्टेमिना बरकरार रखने के लिए पुरुषों को एलोवेरा का सेवन जरूर करना चाहिए। यह पुरुषों में स्टेमिना बढ़ाने में बहुत मददगार होता है। इसके अलावा एलोवेरा के नियमित सेवन से या फिर नियमित जूस पीने से पुरुषों में फर्टिलिटी भी बढ़ती है।

ऑलिव ऑयल

अगर हाथों पर डेड स्किन जमने लगी है तो हफ्ते में एक बार हाथों पर स्क्रब कर लें। इसके लिए 1 छोटा चम्मच शुगर और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल की जरूरत पड़ेगी। इन दोनों चीजों से स्क्रब बनाकर हफ्ते में 2 बार इस्तेमाल करें। ये स्क्रब आपके काफी काम आएगा।

मॉइस्चराइज

अगर आप नहीं चाहते कि आपके हाथों पर किसी तरह की कोई दिक्कत हो तो अपने हाथों को धोने के बाद मॉइस्चराइज अवश्य करें। साबुन के बाद हमेशा हाथों पर प्राकृतिक तेल या मॉइस्चराइजर लगाएं, ताकि हाथों का रूखापन बढ़ने न पाए। इन नुस्खों से हाथों की त्वचा रूखी नहीं रहेगी और आपको महंगी क्रीम की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

गुलाब जल

गुलाब जल, जैसा कि इसके नाम से ही कुछ हद तक पता चलता है कि इसमें गुलाब का पानी होगा। गुलाब जल त्वचा को कई तरीकों से लाभ पहुंचाता है। यही कारण है कि अब ब्यूटी प्रोडक्ट्स में भी इसका उपयोग किया जाता है। सेंसेटिव स्किन वाली महिलाओं के अलावा गुलाब जल का इस्तेमाल हर कोई कर सकता है। आप त्वचा पर कई तरीकों से इसे यूज कर सकती हैं। हाथों को मुलायम करने में ग्लिसरीन और गुलाब जल आपकी मदद करेंगे। इसके लिए बराबर मात्रा में ग्लिसरीन और गुलाबजल को मिक्स कर के एक डिब्बी में भर लें। अब अपने हाथों को नर्म बनाने के लिए ग्लिसरीन में गुलाब जल मिलाकर हल्की मालिश करें। आप दिन में दो बार इस नुस्खे का इस्तेमाल कर सकते हैं।

हंसना मना है

पत्नी सब्जी लेने में इतना मोलभाव कर रही थी कि पति परेशान हो गया, पति: मेहरबानी करके जल्दी खरीदो। ऑफिस के लिए लेट हो रहा हूं, पत्नी: तुम बीच में मत बोलो, जल्दी-जल्दी के कारण ही तुम जैसा पति मिला है मुझे। अब सब्जी के मामले में जल्दी नहीं करूंगी...

पत्नी दर्द से कराहते हुए- सुनो... मेरे सीने में बहुत तेज दर्द हो रहा है, शायद हार्ट अटैक आया है, जल्दी से एंबुलेंस बुलवाओ ना... पति (जल्दी-जल्दी में)- ठीक है फोन करता हूं। जरा, अपने मोबाइल का पासवर्ड बताओ... पत्नी- चलो रहने दो, अभी रुक जाओ पहले से ठीक लग रहा।

ससुर: अरे दामाद जी क्या हाल हैं आपके? दामाद जी: बस आपकी ही माया है, ससुर: अरे दामाद जी, घर के तूफान की क्या खबर है? दामाद जी: आपकी तूफान कूलर के आगे सो रही है, कहिए तो आपकी बात करा दूं।

हसबैंड- डार्लिंग तुम खुबसूरत होती जा रही हो, पत्नी किचन से- तुमने कैसे जाना? हसबैंड- तुम्हें देखकर तो अब रोटियां भी जलने लगी हैं।

कहानी — अंगूठी चोर

राजा कृष्ण देव राय बहुत ही कीमती आभूषण पहना करते थे, लेकिन उनके सभी आभूषणों में से सबसे प्रिय थी उनकी कीमती रत्न जड़ित अंगूठी। लेकिन एक दिन महाराज अपने दरबार में काफी उदास बैठे थे। तब तेनाली रामा राजा के पास आए और उदासी का कारण पूछा। राजा ने बताया कि उनकी सबसे कीमती अंगूठी चोरी हो गई है और चोर उनके अंगरक्षकों में से ही कोई एक है। तेनाली ने कहा कि वो जल्द उनके अंगूठी चोर को पकड़ लेंगे। तेनाली की बात सुनकर राजा काफी खुश हुए। तेनाली ने राजा के सभी अंगरक्षकों को बुलाया और कहा कि मुझे पता है कि महाराज का अंगूठी चोर आप में से ही कोई एक है। जो निर्दोष है उसे डरने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन जो गुनहगार है, वो सजा भुगतने के लिए तैयार रहे। आप सभी मेरे साथ काली माता के मंदिर चलें।' राजा बोले कि चोर पकड़ने के लिए मंदिर क्यों जाना?' तेनाली ने कहा कि महाराज आप धैर्य रखें। मंदिर में ही चोर का पता चलेगा।' तेनाली पहले मंदिर के अंदर गए और पुजारी के कानों में कुछ कहा। फिर तेनाली ने बाहर आकर अंगरक्षकों को बारी-बारी से काली माता के पैर छूकर आने को कहा। तेनाली ने कहा कि आज रात मां काली सपने में आकर उन्हें चोर का नाम बताएंगी। तेनाली की बात सुनकर सभी अंगरक्षक एक-एक कर मंदिर के अंदर जाते और काली मां के पैर छूकर बाहर आते। अंगरक्षक जैसे ही बाहर आते तेनाली उनके हाथ सूंघता और उन्हें कतार में खड़ा कर देता। जब सारे अंगरक्षकों ने काली मां के पैर छू लिए, तो राजा ने कहा कि चोर का पता तो सुबह चलेगा, लेकिन तब तक इनका क्या करें?' तेनाली राम बोले कि नहीं महाराज चोर का पता चल चुका है।' वहां पर मौजूद हर कोई हैरान हो गया। तेनाली ने कहा सातवें स्थान पर खड़ा अंगरक्षक ही चोर है। यह सुनते ही वो अंगरक्षक भागने लगा, लेकिन तब तक अन्य अंगरक्षकों ने उसे धर-दबोचा। वहां मौजूद हर कोई हैरान था कि तेनाली को कैसे पता चला कि यही चोर है। तेनाली ने बताया कि मैंने मंदिर में आते ही पुजारी जी से बोलकर काली मां के मूर्ति के चरणों में सुगंधित इत्र लगवा दिया था। जिस कारण जो भी काली मां के पैर छूता सुगंध उसके हाथों पर आ जाती, लेकिन जब सातवें अंगरक्षक के हाथ सूंघे, तो उसमें कोई सुगंध नहीं थी। उसने पकड़े जाने के डर से काली मां के पैर छुए ही नहीं। ऐसे में यह बड़ी आसानी से पता चल गया कि असली चोर वही था।' तेनाली की बात सुनकर राजा बहुत खुश हुए और तेनाली को कई सारे उपहार से सम्मानित किया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। हानि संभव है।

वृषभ — परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। शारीरिक कष्ट संभव है, सावधान रहें। निवेश शुभ रहेगा। तीर्थयात्रा की योजना बन सकती है।

मिथुन — भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा।

कर्क — जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा।

सिंह — आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी।

कन्या — नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं। भरपूर प्रयास करें।

तुला — प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। व्ययसाय लाभप्रद रहेगा। कार्य पर ध्यान दें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है।

वृश्चिक — यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। वस्तुएं संभालकर रखें। कोई राजकीय बाधा हो सकती है।

धनु — नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है।

मकर — निवेश करने का समय नहीं है। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है, धैर्य रखें। परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी।

कुम्भ — सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें। व्यापार ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मीन — थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

छोटी फिल्मों को सहारा न मिला तो सिनेमा खत्म हो जाएगा

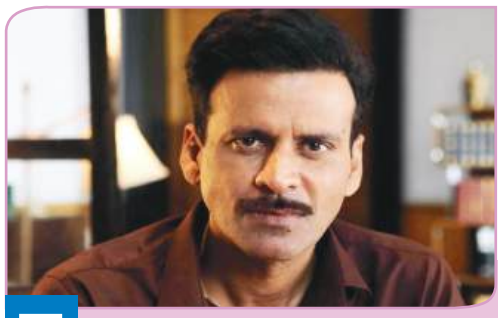

इन दिनों अभिनेता मनोज बाजपेयी सीरीज द फैमिली मैन 3 को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में वह श्रीकांत तिवारी नाम के स्पेशल एजेंट का रोल करते हैं। द फैमिली मैन सीरीज ने वेब सीरीज की दुनिया में एक गेम चेंजर का काम किया है। इस बार 'द फैमिली मैन' सिर्फ स्केल में बड़ा नहीं है, चुनौतियां भी कहीं ज्यादा बड़ी हैं। इस बार जो दुश्मन है वो भी बड़ा और खूंखार है। और अगर उसमें जयदीप अहलावत और निमरत कौर जैसे नाम जुड़े हों, तो समझ सकते हैं कि ये ऐसे ही नहीं आए हैं। श्रीकांत तिवारी इस बार बहुत कुछ लेकर आया है। जब पहली बार इसके बारे में सुना तो मैं थोड़ा हिचकिचा रहा था। उस वक्त मैं वेब सीरीज करने के मूड में नहीं था। फिल्मों में बंदूकें उठाते उठाते मैं थोड़ा थक चुका था, कुछ नया करना चाहता था। तब कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने कहा कि राज और डीके (निर्देशक) से एक बार मिल लो। फिर मैं उनसे मिला। सिर्फ 20 मिनट कहानी सुनी और तय कर लिया कि इसे करूंगा। बतौर एक्टर मैं इसमें बहुत कुछ अलग कर सकता था। यकीनन, इसने पूरी मनोरंजन की दुनिया को उलट-पुलट करके रख दिया था। इसने ओटीटी को बहुत बड़ी पहचान दी और ऑडियंस को बताया कि थिएटर के अलावा भी एक मीडियम है जो आपका मनोरंजन कर सकता है। उसके बाद जब दूसरा सीजन आया.. वो तो बहुत ही बड़ा था। तब से मनोरंजन की पूरी परिभाषा ही बदल गई हमारे यहां पर। मैं तो केंद्र सरकार और सूचना एवं प्रसारण मंत्री से निवेदन करूंगा कि छोटी फिल्मों को तुरंत मदद और विशेष समर्थन दिया जाए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो सिनेमा धीरे-धीरे खत्म होने लगेगा और प्रतिभाशाली निर्देशक खो जाएंगे। हर कोई मुख्यधारा या बड़ी फिल्म बना सके, यह जरूरी नहीं होता और हमेशा संभव भी नहीं होता। इसीलिए जरुरी है कि मध्यम और छोटे बजट वाली फिल्मों को सिनेमाघरों में एक सम्मानजनक रिलीज मिले। यह संघर्ष कई साल से जारी है लेकिन अभी तक इसका समाधान नहीं निकला।

फेमिनिस्ट होना गलत नहीं है: हुमा कुरैशी

'गैंग ऑफ वासेपुर' जैसी कल्ट फिल्म का हिस्सा रहीं हुमा कुरैशी वुमन सेंट्रिक सीरीज 'महारानी' से काफी मशहूर हुईं। इस सीरीज में फेमिनिज्म को लेकर अलग नजरिया दिखाया गया। असल जिंदगी में हुमा फेमिनिज्म को लेकर क्या सोच रखती हैं। हाल ही में इसी मुद्दे को लेकर उन्होंने एक इंटरव्यू में बड़ी बात कह दी। द मेल फेमिनिस्ट नाम के पॉडकास्ट में हुमा कुरैशी ने फेमिनिज्म को लेकर बात की। वह कहती हैं, 'मुझे ऐसा लगता है कि फेमिनिज्म वर्ल्ड को बहुत नेगेटिव बना दिया गया है। इस शब्द को गलत समझा जा रहा है। आप पुरुष हों या महिला, फेमिनिस्ट होना गलत नहीं है। यह एक अच्छी बात है। हम क्या बात कर रहे हैं। हम बोल रहे हैं कि सबको बराबर के अवसर दो। सबको नॉर्मल ट्रीट करो। लड़का हो या लड़की, अगर आपको एक ही तरीके से रखा जाएगा, अवसर दिए जाएंगे तो सबकी सोच एक जैसी बन जाएगी।' आगे हुमा कुरैशी कहती हैं, 'कोई यह नहीं कह रहा है कि आपको पुरुषों को नीचा दिखाना चाहिए। ऐसा कुछ नहीं है। हम बेसिक कॉमन सेंस की बात कर रहे हैं।' इसी तरह हुमा ने फेमिनिज्म को लेकर अपना नजरिया पूरी तरह से क्लीयर कर दिया। हुमा कुरैशी की हाल ही में सीरीज 'महारानी 4' रिलीज हुई। इसके अलावा वह सीरीज दिल्ली क्राइम्स 3 का भी हिस्सा बनीं। कुछ वक्त पहले ही एक फिल्म सिंगल सलमा में भी लीड रोल हुमा ने किया था। वहीं इससे पहले हुमा कुरैशी ने कहा, 'हिंदी फिल्म इंडस्ट्री होने के बावजूद आधे से ज्यादा लोग ठीक से हिंदी नहीं जानते हैं। सेट पर बातचीत भी इंग्लिश में होती है। यहां तक कि हमारी स्क्रिप्ट भी इंग्लिश में ही छपती है। मेरा सवाल है कि आप फिल्में किसके लिए बना रहे हैं? आप इन्हें हिंदी बोलने वाले दर्शकों के लिए बना रहे हैं। तो कम से कम हिंदी तो बोलिए।' पिछले दिनों हुमार कुरैशी नें बताया था कि वह कोई भी भाषा जल्दी सीख जाती हैं। वह कहती हैं, 'अगर मैं किसी के साथ रोज आधा या एक घंटा बिताऊं, तो उनकी तरह बोलना शुरू कर सकती हूं।' कुछ दिन पहले हुमा कुरैशी को सिंगर हिमेश रेशमिया के म्यूजिक कॉन्सर्ट में देख गया। इस कॉन्सर्ट में वह अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड रचित सिंह के साथ देखा गया। रचित ने हुमा के गले में हाथ डाला हुआ था, यही वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ।

बोलीं- पुरुषों को नीचा दिखाना मकसद नहीं

मैं झलक दिखला जा में जाना चाहती थी

एक्ट्रेस-डांसर नोरा फतेही ने रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 9 में एक कंटेस्टेंट के तौर पर हिस्सा लिया था। यह शो अक्तूबर 2015 से जनवरी 2016 तक एयर हुआ था। उन्होंने शो के 58वें दिन वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री की थी। क्या आप जानते हैं कि उस समय उन्हें शुरू में मेन कंटेस्टेंट में से एक के तौर पर शामिल होने के लिए अप्रोच किया गया था? इस बारे में नोरा फतेही ने अपनी बात रखी है। मैशेबल इंडिया से बातचीत में नोरा फतेही ने बताया बिग बॉस ने शुरू में मुझे मेन कंटेस्टेंट में से एक बनने के लिए अप्रोच किया था। इस पर मैंने उन्हें मना कर दिया था। मुझे लग रहा था कि मैं इस तरह की चीजों के लिए तैयार नहीं हूं। यह गलतफहमी की वजह से हुआ। मुझे लगा कि लोग मुझे नहीं समझ पाएंगे। तब मैं छोटी थी और अपने आपको को समझने की कोशिश कर रही थी। मुझे लगा कि लोग अलग तरह से बर्ताव करेंगे इसलिए मैं मुसीबत में पड़ने के लिए तैयार नहीं थी। नोरा ने आगे बताया कि जब मेकर्स ने वाइल्ड कार्ड एंट्री के जरिए उन्हें अप्रोच करने की कोशिश की तो उन्होंने हां कह दी। उन्होंने कहा तो जब वे वाइल्ड कार्ड एंट्री के लिए वापस आए, तो मुझे लगा कि ठीक है, शायद कुछ हफ्ते लगेंगे। मैं ऐसा कर सकती थी। मैं चाहती थी कि मैं दुनिया को बता दूं कि मैं यहां हूं। नोरा ने कहा बताया कि वह शो झलक दिखला जा में जाना चाहती थीं। उन्होंने सोचा कि वह अगर बिग बॉस में जाएंगी तो उन्हें झलक दिखला जा में जाने में मदद मिलेगी इसलिए वह बिग बॉस में गईं। बिग बॉस से बाहर आने के तुरंत बाद उन्हें झलक दिखला जा का कॉन्ट्रैक्ट मिल गया। नोरा फतेही ने बिग बॉस 9 में 58वें दिन एंट्री की और वह 83वें दिन बाहर हो गईं।

नोरा बोलीं- बिग बॉस 9 के ऑफर को गलतफहमी में किया इनकार

मौत की नींद सुला देने वाले नागराज से खेलता दिखा ये शख्स

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर का एक वीडियो इंटरनेट पर छाया हुआ है। इस वीडियो में एक शख्स सांपों से खेलते दिख रहा है। यह युवक कई फीट लंबे-लंबे 2 सांपों को पकड़ कर मोटे कागज के एक डिब्बे में बंद करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन वह अपनी कोशिश में असफल होता दिख रहा है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि दोनों सांप उस शख्स के ही शरीर में लिपट गए। जिसे देख आसपास मौजूद लोग डर गए, लेकिन इसके बावजूद भी युवक सांपों से डरने के बजाय उनसे खेलते नजर आया। जब यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो लोग न सिर्फ हैरान हुए, बल्कि युवक के इस हैरतअंगेज कारनामे पर अपनी प्रतिक्रियाएं भी दी। जब वायरल वीडियो की पड़ताल हुई तो पता चला कि यह शख्स कोई अनट्रेंड आम आदमी नहीं है। बल्कि, वह पलक झपकते ही सांपों को पकड़ने में माहिर है। वह सुमेरपुर कस्बे का रहने वाला एक सर्प मित्र गुरु अभय प्रताप सिंह है, जो कस्बे के किसी शख्स के घर सांप निकलने की सूचना पर उन्हें रेस्क्यू करने पहुंचा था। जिसका वीडियो किसी ने बना लिया और सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। यह वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया। अब तक रिहायशी इलाकों में सर्प मित्र गुरु अभय प्रताप सिंह ने हजारों सांपों और विषखापरों का सफल रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया है। जिसके द्वारा फेसबुक में भी वीडियो बना कर सांपों के विषय में जानकारी दी जाती है और जरुरी सांपों को न मारने की अपील की है। यह वायरल वीडियो 50 सेंकेड का है।

अजब-गजब | चंदौली में पकड़ा गया अनोखा चोर

चोरी नहीं करने पर हो जाता था बीमार!

शातिर चोरों की खबरें तो आपने खूब पढ़ी, देखी और सुनी होंगी लेकिन यूपी के चंदौली जिले में पुलिस के हत्थे चढ़े चोर की कहानी बेहद अजब-गजब है। आरोपी चोरी का एडिक्टेड हो चुका था। महीने में अगर वह तीन से चार चोरी नहीं कर लेता तो बीमार पड़ जाता था। पुलिस ने जब चोरों के गैंग को गिरफ्तार किया तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। मुगलसराय कोतवाली पुलिस ने एक शातिर चोर गिरोह को दबोचा है। जिसने 20 जून की रात मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के मढ़िया गांव में एक बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया था।

आरोपियों के पास से 10 लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवरात बरामद हुए हैं। पकड़े गए दो आरोपियों ने 40 से अधिक चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। हैरानी की बात यह है कि इनमें से एक शातिर चोर उमेश यादव है, जो चोरी करने की बीमारी से ग्रसित है। महीने में अगर वह दो से तीन चोरी नहीं करता है, तो वह मानसिक रूप से बीमार हो जाता है। अपर पुलिस अधीक्षक ने सनसनीखेज खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी उमेश यादव एक अजीब सी मानसिक बीमारी से ग्रसित है, जिसे चोरी करने का शौक या बीमारी कहा जा सकता है। क्योंकि वह महीने में दो से तीन बार जब तक चोरी नहीं करता, तब तक वह मानसिक रूप से बीमार हो जाता था और इस तनाव से निजात पाने के लिए वह चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था।

गैंग के सरगना उमेश यादव को वाराणसी पुलिस ने गिरफ्तार किया था। जबकि उसके साथी धर्मेंद्र यादव और ओमप्रकश सेठ को मुगलसराय पुलिस ने धर दबोचा। दोनों आरोपी रिंग रोड ब्रिज के नीचे गहनों का बंटवारा कर रहे थे। दोनों के पास से सोने-चांदी के 10 लाख कीमत के जेवरात बरामद हुए हैं। उमेश और धर्मेंद्र आपस में रिश्तेदार बताये गए हैं। शातिर चोर उमेश यादव ने 30 से अधिक छोटी-बड़ी चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। आरोपियों के पास से 10 लाख रुपए कीमत के सोने और चांदी के जेवरात बरामद हुए हैं।

चंडीगढ़ की दावेदारी पर मारामारी

भाजपा पर कांग्रेस का जोरदार हमला

» गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया- कोई नया बिल नहीं आएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चंडीगढ़ को आर्टिकल 240 के दायरे में लाने की खबरों को लेकर पूरे देश में सियासी घमासान छिड़ गया है। मामले के तूल पकड़ने पर गृह मंत्रालय ने इस पर स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि केंद्र सरकार का इरादा चंडीगढ़ के प्रशासन को लेकर संसद के शीतकालीन सत्र में कोई बिल करने का नहीं है। गृह मंत्रालय के इस बयान के बाद अब कांग्रेस केंद्र सरकार पर हमलावर हो गई है और मोदी सरकार की फास्ट गवर्नेंस का नया उदाहरण बताया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह बिल 131वां संविधान संशोधन बिल है, जिसके जरिए चंडीगढ़ को ऐसे केंद्र शासित प्रदेशों की श्रेणी में लाने का प्रस्ताव था, जिनके पास अपनी विधानसभा नहीं होती है।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस और पंजाब की अन्य पार्टियों ने इसका तत्काल और आक्रामक विरोध किया, क्योंकि वर्तमान में पंजाब के राज्यपाल ही चंडीगढ़ के प्रशासक भी होते हैं। ऐसे में नया पूर्णकालिक एलजी नियुक्त करने का प्रस्ताव राज्यों के अधिकारों को प्रभावित करने वाला माना गया। मंत्रालय ने कहा, चंडीगढ़ के हितों को ध्यान में रखते हुए सभी हितधारकों के साथ पर्याप्त परामर्श के बाद ही कोई उपयुक्त निर्णय लिया जाएगा। इस मामले में किसी भी चिंता की कोई आवश्यकता नहीं है। केंद्र सरकार का संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में इस संबंध में कोई विधेयक पेश करने का कोई इरादा नहीं है। मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने इस मामले पर उठाई गई चिंताओं को दूर करते हुए कहा, केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के लिए केंद्र सरकार की कानून-निर्माण प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रस्ताव अब भी केंद्र सरकार के पास विचाराधीन है। इस प्रस्ताव पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

मोदी सरकार की फास्ट शैली का उदाहरण : जयराम

जयराम रमेश ने पोस्ट करते हुए तीखा तंज कसा कि यह सब कुछ मोदी सरकार की फास्ट शैली का ताजा उदाहरण है यानी पहले घोषणा करो और बाद में सोचो। उन्होंने कहा कि संवेदनशील मुद्दों पर बिना परामर्श, बिना तैयारी और बिना सोच-विचार के अचानक बिल सूचीबद्ध कर देना केंद्र सरकार की जल्दबाजी और असंगठित नीति-निर्माण को उजागर करता है।

ढांचे में बदलाव का कोई इरादा नहीं : गृह मंत्रालय

मंत्रालय ने कहा कि प्रस्ताव किसी भी तरह से चंडीगढ़ के शासन या प्रशासनिक ढांचे में बदलाव करने का प्रयास नहीं करता और न ही इसका उद्देश्य 'चंडीगढ़ और पंजाब या हरियाणा राज्यों के बीच पारंपरिक व्यवस्था' को बदलना है।

चंडीगढ़

जयराम रमेश पर होगी कार्रवाई

राज्यसभा की विशेषाधिकार समिति, एक स्थायी संसदीय समिति, ने सदन के सदस्य और कांग्रेस नेता जयराम रमेश के खिलाफ राज्यसभा के सभापति के खिलाफ कथित तौर पर लगातार और जानबूझकर अपमानजनक टिप्पणियां करने की शिकायत पर चर्चा की। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश की अध्यक्षता में समिति की बैठक आज सुबह 11 बजे संसदीय सौध विस्तार भवन में हुई। एक आधिकारिक सूचना के अनुसार, बैठक में जिन विषयों पर चर्चा हुई, उनमें से एक कांग्रेस सांसद जयराम रमेश के खिलाफ विशेषाधिकार संबंधी शिकायत से संबंधित था, जिसमें राज्यसभा के सभापति के खिलाफ कथित तौर पर लगातार और जानबूझकर अपमानजनक टिप्पणियां करने और सार्वजनिक रूप से उनकी निष्पक्षता पर संदेह व्यक्त करने का आरोप लगाया गया था। समिति जयराम रमेश के साक्ष्य सुनने की भी योजना बना रही है। राज्यसभा विशेषाधिकार समिति के अलावा, तीन अन्य समितियों की आज बाद में संसदीय सौध में बैठकें हुईं। संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी समिति ने सभी प्रकार के मीडिया से संबंधित कानूनों के कार्यान्वयन की समीक्षा की और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे प्रस्तावों और भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) के विचारों को सुना। कोयला, खान एवं इस्पात समिति ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के संगठनात्मक ढांचे और प्रदर्शन - एक समीक्षा विषय पर मंत्रालय के प्रतिनिधियों के मौखिक साक्ष्य सुनने के लिए एक बैठक आयोजित की। यदि समिति को पता चलता है कि विशेषाधिकार का उल्लंघन हुआ है, तो वह उल्लंघन की प्रकृति और उसके कारणों का पता लगाती है और तदनुसार सिफारिशें करती है। समिति सदन को उस प्रक्रिया की भी रिपोर्ट दे सकती है जिसका पालन समिति द्वारा की गई सिफारिशों को लागू करने में सदन द्वारा किया जा सकता है।

अजित पवार के फंड वाले बयान पर घमासान

» फडणवीस ने किया खारिज, सुप्रिया ने कहा- आयोग देखे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के मालेगांव में मतदाताओं से की गई उनकी आपके पास वोट हैं और मेरे पास फंड टिप्पणी पर उठे विवाद के बीच, उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा कि यह धमकी नहीं थी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी अजित पवार की वोट फॉर फंड टिप्पणी पर उठे विवाद को खारिज करते हुए कहा कि चुनावों के दौरान ऐसी टिप्पणियां अक्सर की जाती हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार के वोट दो, तभी फंड मिलेगा वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इसे गंभीर भेदभावपूर्ण इरादा नहीं माना जाना चाहिए, बल्कि यह चुनावी अभियान की अनजानी बयानबाजी है।

फडणवीस ने कहा कि चुनावी भाषणों में कई बातें कह दी जाती हैं, लेकिन उनका वास्तविक अर्थ वही नहीं होता और पवार का इरादा भेदभाव करना नहीं हो सकता। फडणवीस ने स्पष्ट किया कि महायुति सरकार का उद्देश्य पूरे राज्य का समान विकास है और कोई भी क्षेत्र फंड के लिए राजनीतिक शर्तों का शिकार नहीं होगा। दरअसल, अजित पवार ने नगर पंचायत चुनाव प्रचार के दौरान कहा था- अगर आप 18 एनसीपी उम्मीदवारों को चुनेंगे तो फंड की कमी नहीं होगी अगर आप हमें नकारेंगे, तो मैं भी नकार दूंगा। इस बयान को लेकर विपक्ष हमलावर है। एनसीपी (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले ने नागपुर में कहा कि निर्वाचन आयोग को ऐसे बयानों की निगरानी करनी चाहिए, लेकिन अब ऐसा होता नहीं दिख रहा। उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन आयोग में दायर उनके मामले में भी उन्हें न्याय नहीं मिला। सुले ने कहा कि समाज में आयोग पर भरोसा घट रहा है और ऐसे बयान निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हैं।

ठेकेदार की लापरवाही से सड़क पर चलना दुश्वार

» ओडियन सिनेमा से नजरबाग मार्ग पर दो महीनों से लोगों की मुश्किलें बढ़ीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जल निगम ठेकेदार की लापरवाही के चलते ओडियन सिनेमा से नजरबाग तक के मार्ग पर रहने वाले लोगों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सीवर लाइन सुधार कार्य के दौरान ठेकेदार ने सड़क खोदने के बाद उसे सही तरीके से समतल नहीं किया, और न ही गड्ढों को ठीक से भरा। सिर्फ मलबा व मिट्टी डालकर टीम मौके से चली गई, जिसके बाद से क्षेत्र में लगातार जनता की समस्या बनी हुई है।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, पिछले दो महीनों से सड़क धंसी हुई है और जगह-जगह बड़े गड्ढे बन गए हैं, इससे दोपहिया वाहनों के फिसलने की घटनाएं रोज हो रही हैं और कई लोग दुर्घटना का शिकार भी हो चुके हैं। लोगों का कहना है कि रोड की हालत इतनी खराब है कि वाहन तो दूर, पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है। निवासियों ने कहा कि सड़क पर बिखरी बड़ी-बड़ी गिट्टियां और असमान सतह दुर्घटना को आमंत्रण दे रही हैं। जल निगम प्रशासन से तुरंत सड़क निर्माण कराने की मांग की है।

सड़क निर्माण की उठी मांग

> "अगर ठेकेदार द्वारा लापरवाही बरती गई है तो जांच कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। सड़क को सही कराने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी।
>
> **जल निगम के अधिशासी अभियंता कादरी**

आज से लखनऊ देखेगा शटलरों की जंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप का आज से लखनऊ में आगाज हो गया। सोमवार को तमाम देसी-विदेशी खिलाड़ियों ने अभ्यास किया। यूपी बैडमिंटन अकादमी में होने वाली चैंपियनशिप के लिए अब तक 2016 में सैयद मोदी बैडमिंटन चैंपियन किदांबी श्रीकांत, प्रियांशु राजावत, अनुपमा उपाध्याय, तन्वी शर्मा, पूर्व विश्व विजेता जापान की नोजोमी ओकुहारा, महिला युगल की गत विजेता त्रिशा जॉली व गायत्री गोपीचंद पी अपनी आमद दर्ज करा चुके हैं।

प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से आयोजित इस चैंपियनशिप में 2,40,000 अमेरिकी डॉलर की ईनामी राशि दांव पर होगी। प्रतियोगिता में भाग ले रहे प्रमुख भारतीय शटलरों की बात करें तो किदांबी श्रीकांत पहले दौर में हमवतन मीराबा लुवांग मैसनाम के खिलाफ अभियान शुरू करेंगे।

टेस्ट में भारत अब घर में नहीं रहा शेर!

» एक साल में दूसरी घरेलू सीरीज गंवाने की कगार पर भारत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। कभी घर में विपक्षियों के लिए मुसीबत मानी जाने वाली टीम इंडिया आज जीत के लिए संघर्ष कर रही है। मुख्य कोच गौतम गंभीर की देखरेख में भारत एक साल के भीतर दूसरी घरेलू टेस्ट सीरीज गंवाने की कगार पर पहुंच चुका है। पिछले साल न्यूजीलैंड से 0-3 से हारने के बाद टीम ने इस साल वेस्टइंडीज को 2-0 से मात दी, लेकिन अब एक बार फिर टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 0-2 से हार के करीब पहुंच गई है। भारत की टेस्ट टीम लंबे समय तक अपने घरेलू मैदानों पर अजेय मानी जाती रही है।

स्पिन की विकेटें, मजबूत बल्लेबाजी और मैच को अपनी मर्जी से मोड़ देने की क्षमता, इन खूबियों ने दशकों तक विरोधियों को भारत में जीतने का सपना भी नहीं देखने दिया, लेकिन पिछले डेढ़ साल के आंकड़े बताते हैं कि हालात तेजी से बदल रहे हैं। भारत अब घर में शेर नहीं रहा, बल्कि घर में भी दबाव में टूटने लगी टीम का नया चेहरा दिखाई दे रहा है। गौतम गंभीर की देखरेख में भारत ने अब तक कुल छह टेस्ट सीरीज खेली हैं। इनमें चार घरेलू और दो विदेशी धरती पर खेली गई हैं। पिछले साल अक्तूबर में भारत दौरे पर आई न्यूजीलैंड टीम ने तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में मेजबानों का सूपड़ा साफ किया था। एक साल के भीतर टीम इंडिया दूसरी घरेलू सीरीज गंवाने की कगार पर पहुंच चुकी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए पहले मुकाबले में भारतीय टीम को 30 रन से मात मिली थी। अब ऐसा ही हाल गुवाहाटी में खेले जा रहे मुकाबले में भी देखने को मिल रहा है। इस मैच में भी टीम की बल्लेबाजी बेहद खराब रही और टीम फॉलोऑन तक नहीं बचा सकी। उसे 289 रन बनाने थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने भारत को फॉलोऑन नहीं खिलाने का और फिर से बल्लेबाजी करने का फैसला लिया।

छह विकेट लेकर मार्को यानसेन ने रचा इतिहास

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मार्को यानसेन ने भारत के खिलाफ गुवाहाटी में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के दौरान इतिहास रच दिया। यानसेन दक्षिण अफ्रीका के पहले खिलाड़ी बने जिन्होंने भारत में किसी टेस्ट मैच में अर्धशतक लगाने के बाद छह विकेट भी अपने नाम किए। भारतीय जमीन पर आमतौर पर स्पिनरों को फायदा मिलता है, लेकिन ऐसी परिस्थिति में यानसेन ने भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। यानसेन ने पहली पारी में 93 रन बनाए थे और कुल छह विकेट लिए। वह 2000 से भारत में टेस्ट मैच में अर्धशतक और फाइव विकेट हॉल पूरे करने वाले एलीट खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए। यानसेन से पहले दक्षिण अफ्रीका के निकी बोजे 2000 में बंगलूरू में 85 रन बनाए थे और पांच विकेट लिए थे। वहीं, वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर ने 2008 में हैदराबाद में 52 रन बनाने के अलावा पांच विकेट झटके थे। हालांकि, अब तक कोई अर्धशतक लगाने के साथ ही छह विकेट नहीं ले सका था और यानसेन इस मामले में शीर्ष पर आ गए हैं।

बढ़ रहा चुनावी कदाचार, उठो उखाड़ फेंको सरकार

लोकतंत्र की रक्षा के लिए कांग्रेस करेगी जनांदोलन, पार्टी की जनता से अपील- एकजुट होकर सरकार की गलत नीतियों को करें विरोध

» पार्टी संविधान दिवस पर मनाएगी संविधान बचाओ दिवस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 26 नवंबर को संविधान दिवस को संविधान बचाओ दिवस के रूप में मनाएगी, जिसका उद्देश्य लोकतांत्रिक संस्थाओं और संविधान की मूल भावना के समक्ष मौजूदा चुनौतियों को उजागर करना है। यह पहल देश में संवैधानिक नैतिकता और लोकतंत्र पर बढ़ते खतरों, जैसे चुनावी कदाचार और संस्थाओं के दुरुपयोग के प्रति कांग्रेस की चिंता को दर्शाती है।

पार्टी ने सभी राज्य इकाइयों को सेमिनार और संगोष्ठियों जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को इन खतरों से अवगत कराने और संविधान की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करने का निर्देश दिया है। पार्टी ने कहा कि जिसमें व्यवस्थित रूप से वोटों की चोरी, चुनावी कदाचार, संस्थाओं का दुरुपयोग और मतदाता सूची को विकृत करने के संदिग्ध विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-चालित प्रयास शामिल हैं। ये कार्रवाइयाँ हमारी संवैधानिक नैतिकता और लोकतांत्रिक परंपराओं के मूल पर प्रहार करती हैं। कांग्रेस ने लोगों से एकजुट होकर सरकार की गलत नीतियों पर प्रहार करने की अपनी की। कांग्रेस ने सभी प्रदेश कांग्रेस समितियों से प्रत्येक ज़िला मुख्यालय पर गंभीरता, अनुशासन और अधिकतम भागीदारी के साथ कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया। सुझाई गई गतिविधियों में सेमिनार, संगोष्ठियाँ और चर्चाएँ शामिल हैं। संविधान दिवस, जिसे संविधान दिवस के रूप में भी जाना जाता है, 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारत के संविधान को ऐतिहासिक रूप से अपनाने के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को मनाया जाता है, जो एक ऐसा मील का पत्थर था जिसने देश के लोकतांत्रिक शासन और कानून के शासन की नींव रखी।

राज्य इकाइयों को निर्देश

कांग्रेस ने अपनी सभी राज्य इकाइयों को निर्देश दिया है कि वे 26 नवंबर को देश भर के प्रदेश कांग्रेस समितियों (पीसीसी) कार्यालयों और जिला मुख्यालयों में संविधान बचाओ दिवस के रूप में मनाएँ। पत्र में, कांग्रेस ने इस अवसर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संविधान दिवस के पावन अवसर पर, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सभी प्रदेश कांग्रेस समितियों से आह्वान करती है कि वे 26 नवंबर को देश भर में संविधान बचाओ दिवस के रूप में मनाएँ। हमारी लोकतांत्रिक संस्थाओं और हमारे संविधान की मूल भावना के समक्ष अभूतपूर्व चुनौतियों को देखते हुए इस वर्ष का यह दिवस अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पूरा देश इस समय दबाव में

पार्टी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि संविधान में निहित मूलभूत मूल्य, जिनमें न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और प्रत्येक नागरिक के अधिकारों की सुरक्षा शामिल है, वर्तमान में स्पष्ट रूप से दबाव में हैं। पत्र में आगे इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि देश संवैधानिक नैतिकता और लोकतंत्र के लिए ख़तरा है। पत्र में कहा गया है कि देश संविधान पर बढ़ते हमले का गवाह बन रहा है, जिसमें व्यवस्थित रूप से वोटों की चोरी, चुनावी कदाचार, संस्थाओं का दुरुपयोग और मतदाता सूची को विकृत करने के संदिग्ध विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-चालित प्रयास शामिल हैं। ये कार्रवाइयाँ हमारी संवैधानिक नैतिकता और लोकतांत्रिक परंपराओं के मूल पर प्रहार करती हैं। इन ख़तरों को लोगों के सामने उजागर करना और संविधान, उसकी संस्थाओं और उसके मूल्यों की रक्षा के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

पश्चिम बंगाल सरकार व चुनाव आयोग जारी है तकरार

» ममता का चुनाव आयोग को पत्र, डेटा एंट्री और वोटिंग केंद्रों के मुद्दे पर उठाया सवाल

» भाजपा ने टीमएमसी को घेरा, बोली- दबाव बनाना चाह रहीं सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोव व टीएमसी सरकार में तकरार कम नहीं हो रही है। इनसबके बीच भाजपा भी ममता बनर्जी पर हमलावर है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) द्वारा डेटा एंट्री और सॉफ्टवेयर विकास कार्यों को आउटसोर्स करने के संदिग्ध प्रस्ताव (आरएफपी) पर गंभीर सवाल उठाए हैं, इसे निहित स्वार्थों की पूर्ति का प्रयास बताया है।

उन्होंने यह भी आपत्ति जताई कि निजी परिसरों में मतदान केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव से निष्पक्षता और स्थापित मानदंडों का उल्लंघन होता है, जो राजनीतिक दबाव की ओर इशारा करता है। भाजपा ने उनके आरोपों का तुरंत जवाब देते हुए तृणमूल पर चुनाव आयोग पर दबाव बनाने का आरोप लगाया। अपने पत्र में, बनर्जी ने कहा कि उन्हें यह जानने के बाद चुनाव आयोग से संपर्क करने के लिए विवश होना पड़ा कि सीईओ कार्यालय ने जिला चुनाव अधिकारियों (डीईओ) को एसआईआर से संबंधित गतिविधियों के लिए अपने मौजूदा संविदा डेटा एंट्री ऑपरेटरों या बांग्ला सहायता केंद्र (बीएसके) के कर्मचारियों का उपयोग न करने के लिए कहा है। इसके बजाय, उन्होंने बताया कि सीईओ ने एक वर्ष की अवधि के लिए 1,000 डेटा एंट्री ऑपरेटरों और 50 सॉफ्टवेयर डेवलपर्स को नियुक्त करने के लिए एक आरएफपी जारी किया है। मुख्यमंत्री ने पत्र में कहा, क्या यह कवायद किसी राजनीतिक दल के इशारे पर निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए की जा रही है? इस आरएफपी का समय और तरीका निश्चित रूप से जायज संदेह पैदा करता है। मुख्यमंत्री ने निजी आवासीय परिसरों के अंदर मतदान केंद्र स्थापित करने के कथित प्रस्ताव पर भी आपत्ति जताई और दावा किया कि ऐसे स्थान निष्पक्षता से समझौता करते हैं, स्थापित मानदंडों का उल्लंघन करते हैं तथा निवासियों और आम जनता के बीच भेदभावपूर्ण अंतर पैदा करते हैं। उन्होंने दावा किया कि सुगमता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए मतदान केन्द्र हमेशा सरकारी या अर्ध-सरकारी संस्थानों में स्थापित किए जाते हैं।

अनुभवी कर्मचारी को छोड़ बाहरी एजेंसी से लिया जा रहा है काम : ममता बनर्जी

बनर्जी ने सवाल उठाया कि जब जिला कार्यालयों में पहले से ही अनुभवी कर्मचारी उसी काम को संभाल रहे हैं तो बाहरी एजेंसी को क्यों लाया जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख बनर्जी ने इस बात पर आश्चर्य जताया कि एक ही काम को पूरे एक साल के लिए बाहरी एजेंसी से कराने की क्या जरूरत है, जबकि जिला कार्यालयों में पहले से ही ऐसे कार्यों के लिए पर्याप्त संख्या में सक्षम पेशेवर मौजूद हैं। उन्होंने कहा, परंपरागत रूप से, क्षेत्रीय कार्यालय हमेशा आवश्यकतानुसार अपने स्वयं के संविदात्मक डेटा एंट्री कर्मियों को नियुक्त करते रहे हैं। यदि तत्काल आवश्यकता हो, तो जिला कार्यालय अधिकारी स्वयं ऐसी नियुक्ति करने के लिए पूर्णतः सक्षम हैं। बनर्जी ने आश्चर्य व्यक्त किया कि सीईओ कार्यालय क्षेत्रीय कार्यालयों की ओर से यह भूमिका क्यों निभा रहा है।

सिर्फ सिंध नहीं पूरा पाकिस्तान लें : अल्वी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सिंध से जुड़ी हालिया टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रि या व्यक्त करते हुए कहा कि अगर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेतृत्व यह दावा करता है कि पड़ोसी देश कभी भारत का हिस्सा थे, तो यह चर्चा सिर्फ़ सिंध तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए।

एएनआई से बात करते हुए अल्वी ने कहा, सिर्फ़ सिंध ही क्यों? पूरे पाकिस्तान को ही लीजिए। जब आरएसएस प्रमुख बार-बार कहते हैं कि बांग्लादेश, अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तान भारत का हिस्सा थे, तो फिर हम सिर्फ़ सिंध की ही बात क्यों करें? सेना को तैनात कीजिए और पाकिस्तान, अफ़ग़ानिस्तान और बांग्लादेश को भारत में शामिल कीजिए। अल्वी की यह टिप्पणी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की टिप्पणी के एक दिन बाद आई है, जिस पर राजनीतिक बहस छिड़ गई है और कई विपक्षी नेताओं ने प्रतिक्रि याएँ दी हैं। कांग्रेस नेता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके वैचारिक सहयोगियों पर भड़काऊ बयान देने का आरोप लगाया, जो राष्ट्रीय मुद्दों से ध्यान भटकाते हैं।

एमसीडी उपचुनाव के प्रचार में आई तेजी

» भाजपा की रैलियों से माहौल गर्म, आप-कांग्रेस ने भी अपना दावा ठोका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एमसीडी उपचुनाव की 12 रिक्त सीटों के लिए प्रचार अभियान तेज़ हो गया है, भाजपा, आप और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए रैलियाँ और घर-घर जाकर प्रचार कर रहे हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि पार्टी के आंतरिक आकलन से पता चलता है कि वह 12 में से 11 वार्ड जीत रही है, और इसका श्रेय उन्होंने अपनी संगठनात्मक ताकत को दिया। इस दिन का मुख्य आकर्षण मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सात सभाएँ और रैलियाँ रहीं।

अशोक विहार और द्वारका बी में पन्ना प्रमुख सम्मेलनों को संबोधित करते हुए, उन्होंने कार्यकर्ताओं से मतदान के दिन दोपहर के भोजन से पहले मतदान सुनिश्चित करने के लिए मतदाता सूचियों की दोबारा जाँच करने का आग्रह किया। उन्होंने ग्रेटर कैलाश में आरडब्ल्यूए से बातचीत की, संगम विहार ए, सैनिक विहार और विनोद नगर में सभाओं को संबोधित किया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि मतदाता अरविंद केजरीवाल द्वारा पेश की गई चुनौती का करारा जवाब देंगे। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सिर्फ राजधानी नहीं, भारत के भविष्य का पहला पन्ना है। यहां जो विकास हो रहा है उससे पूरे देश में यह विश्वास मजबूत होता है कि विकसित भारत के हम नेतृत्वकर्ता हैं। नगर निगम उपचुनाव में आपका एकङ्कएक वोट भाजपा के सुशासन, स्वच्छता और समृद्ध दिल्ली के मिशन को और गति देगा। यह केवल प्रतिनिधि चुनने का निर्णय नहीं, दिल्ली की दिशा तय करने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि विकसित दिल्ली का सपना तभी साकार होगा, जब आपका एकङ्कएक वोट इस संकल्प की शक्ति बनेगा। भाजपा के लिए जन सेवा, पारदर्शिता और सुशासन ही प्राथमिकता है।

भारतीय सेना एक धर्मनिरपेक्ष संस्था : सुप्रीम कोर्ट

सीजेआई सूर्यकांत का पहला बड़ा फैसला, ईसाई आर्मी ऑफिसर की याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए एक ईसाई आर्मी ऑफिसर की बर्खास्तगी को सही करार दिया है। सैमुअल कमलेसन नाम के एक सैन्य अधिकारी ने अपनी रेजिमेंट के साप्ताहिक धार्मिक परेड में हिस्सा लेने से मना कर दिया था, जिसके आधार पर उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गई थी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी, जिसे भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत की बेंच ने खारिज कर दिया है।

लाइवलॉ की एक रिपोर्ट के अनुसार सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की बेंच ने आर्मी ऑफिसर की बर्खास्तगी वाले दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए, उनकी याचिका खारिज कर दी है। इस दौरान सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने याचिकाकर्ता सैमुअल कमलेसन से कहा, आप अपने जवानों की भावनाओं का सम्मान करने में नाकाम रहे हैं। धार्मिक अहंकार इतना ज्यादा है कि आपको दूसरों की कोई परवाह नहीं है। ईसाई ऑफिसर ने अपने खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई को यह कहकर अदालत में चुनौती दी थी कि मंदिर में घुसने के लिए बाध्य किया जाना, उनकी धार्मिक आजादी का उल्लंघन होगा। लेकिन, अदालत ने पाया कि उनका आचरण एक वैध आदेश को ठुकराने जैसा था। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा कि भारतीय सेना एक धर्मनिरपेक्ष संस्था है और इसकी अनुशासन से समझौता नहीं किया जा सकता।

कहा कि हाईकोर्ट ने ये आदेश दिया है, जबकि उस पक्ष के आवेदन में ऐसी कोई मांग नहीं की गई थी।

कृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह विवाद की सुनवाई 1 को

मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद में सुप्रीम कोर्ट एक हिंदू पक्ष की उस याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया है, जिसने दूसरे हिंदू पक्ष को भगवान कृष्ण के सभी भक्तों का प्रतिनिधि बनाए जाने पर आपत्ति जताई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ यह याचिका दाखिल की गई है। सोमवार (24 नवंबर, 2025) को कोर्ट ने कहा कि वह 1 दिसंबर को इस याचिका पर सुनवाई करेगा। जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि इस मुद्दे पर विस्तृत सुनवाई की जरूरत है. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा में विवादित स्थल से शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने का अनुरोध करते हुए अलग मुकदमा दायर करने वाले एक अन्य हिंदू पक्ष को सभी भक्तों का प्रतिनिधि मानने की अनुमति दी थी। पीडित हिंदू पक्ष के एडवोकेट श्याम दीवान ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश में दूसरे पक्ष को सभी श्रद्धालुओं का प्रतिनिधि मानने में त्रुटि हुई। उउन्होंने कहा कि वह (उनके मुवक्किल) मुकदमा दायर करने वाले पहले व्यक्ति थे और हाईकोर्ट का इस तरह के विवाद से जुड़े दीवानी मुकदमों में से एक में दूसरे पक्ष को आगे बढ़ाना अनुचित था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।